अग्रवाल महाविद्यालय में आज़ाद भारत के प्रथम केन्द्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद की जयंती के अवसर पर महानिदेशक उच्चतर शिक्षा, हरियाणा के निर्देशानुसार ' राष्ट्रीय शिक्षा दिवस ' मनाया गया। इस अवसर पर ' शिक्षा के महत्व ' को स्पष्ट करने के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें स्लोगन लेखन, फिल्म प्रदर्शन और रैली मुख्य रही।

कार्यक्रम का आरम्भ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता की प्रेरणा तथा आशीर्वादात्मक व्यक्तव्य से हुआ, जिसमें प्राचार्य जी ने शिक्षा को अनमोल रत्न बताते हुए भारत को साक्षरता व शिक्षा के माध्यम से सम्पन्न बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में छात्रों ने स्वविचार प्रस्तुत करते हुए शिक्षा का महत्व इस तरह स्पष्ट किया –

शिक्षा का नहीं है कोई मोल,
है जीवन की भांति अनमोल ॥
अज्ञानता का दूर होगा अंधकार
शिक्षा से होगा सुधार।

स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार निकिता कौशिक (M.Sc. Final CS), द्वितीय पुरस्कार शिवानी (B.Com Final), तृतीय पुरस्कार तान्या (B.A. II) व सांत्वना पुरस्कार शहनाज़ (B.A. - II) को दिए गए।

एन.एस.एस. और यूथ रैड़ क्रॉस के स्वयंसेवकों ने ' रैली ' के माध्यम से छात्रों के साथ–साथ आस–पास (समाज को) के लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को एक लघु फिल्म दिखाकर शिक्षा के माध्यम से आत्मसुधार व समाज सुधार के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम की संचालिका हिन्दी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द के नेतृत्व में विद्यार्थियों की भागीदारी सराहनीय रही। डॉ. जयपाल सिंह, श्रीमती रितु, डॉ. गीता गुप्ता, डॉ. सारिका कांजलिया, डॉ. रेखा रानी, डॉ. पूजा सैनी तथा श्री

लवकेश इत्यादि प्राध्यापकों की देख–रेख में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ ।